PCSMANTRA.COM | 17 NOVEMBER 2026

टीबी से जंग का रिपोर्ट कार्ड - 2025 का लक्ष्य चूका भारत, मृत्यु दर 38% घटी



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2026 सामने आई है। इससे दो बड़ी बातें स्पष्ट हुईं - एक, भारत अपना 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया, और दो, 2015 की तुलना में देश में टीबी से होने वाली मौतों में 38% की कमी आई है, जो वैश्विक औसत (35%) से बेहतर है। साथ ही, इस बार की रिपोर्ट में भारत के अनुमानित टीबी संक्रमण (estimated incidence) का आंकड़ा शामिल नहीं है, जिस पर चर्चा हो रही है।

ताजा आंकड़े: भारत की स्थिति

- **मृत्यु दर:** 2015 की तुलना में 38% की कमी - वैश्विक गिरावट 35% रही। 'एंड टीबी' के तहत 2020 तक 35% कमी का मील का पत्थर भारत ने पांच साल की देरी से पूरा किया; 2025 के लिए लक्ष्य 75% कमी का था।
- **पहचाने गए मामले:** 2025 में राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 25.3 लाख टीबी मरीजों का निदान हुआ और 2.63 लाख मौतें दर्ज हुईं; 2024 में ये आंकड़े 26.18 लाख मामले और 3 लाख से अधिक मौतें थे।
- **उपचार सफलता:** औषधि-संवेदनशील (drug-susceptible) टीबी में उपचार सफलता दर 94% है।
- **फंडिंग:** टीबी कार्यक्रम की लगभग 96% आवश्यक फंडिंग घरेलू संसाधनों से हो रही है।

अनुमानित संक्रमण का आंकड़ा क्यों नहीं है

रिपोर्ट में भारत का अनुमानित संक्रमण-आंकड़ा 'समीक्षाधीन' बताया गया है। वजह - 2025 में 50 प्रतिनिधि जिलों में हुए जिला-स्तरीय टीबी सर्वेक्षण (sentinel surveillance) के आंकड़ों का विश्लेषण चल रहा है; संशोधित अनुमान 2027 की शुरुआत में आने की उम्मीद है। इससे पहले भारत ने दो राष्ट्रीय व्यापकता सर्वेक्षण (prevalence survey) किए थे - 1955-58 और 2020-21 - जो अनुमानित संक्रमण का आधार रहे। अनुमानित और वास्तविक दर्ज मामलों के बीच का अंतर ही बताता है कि कितने मरीज बिना निदान संक्रमण फैला रहे हैं, इसलिए यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है।

टीबी क्या है (आधारभूत जानकारी)

तपेदिक (टीबी) Mycobacterium tuberculosis नामक जीवाणु से होने वाली संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है और हवा के माध्यम से फैलती है। बीसीजी (BCG) इसका टीका है। समय पर पूरा उपचार न करने पर बहु-औषधि प्रतिरोधी टीबी (MDR-TB) जैसी गंभीर स्थिति बनती है।

लक्ष्य क्या थे और क्या हुआ

- **भारत का लक्ष्य:** राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-25) और 2018 की 'एंड टीबी समिट' की घोषणा के तहत भारत ने 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा था - यह सतत विकास लक्ष्य (SDG 3.3) की 2030 की समय-सीमा से पांच वर्ष पहले था। यह लक्ष्य अधूरा रहा।
- **वैश्विक तस्वीर (2025):** विश्वभर में अनुमानित 1.06 करोड़ लोग टीबी से पीड़ित हुए (57 लाख पुरुष, 37 लाख महिलाएं, 12 लाख बच्चे) और 11.3 लाख मौतें हुईं। टीबी दुनिया में किसी एक संक्रमण से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है।
- **भारत का बोझ:** नए मामलों में दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र की हिस्सेदारी 35% है; 30 उच्च-बोझ देशों में 88% मामले हैं। भारत अकेले वैश्विक मामलों का लगभग एक-चौथाई है, इसके बाद इंडोनेशिया (10%), फिलीपींस (6.8%), चीन (6.5%) और पाकिस्तान (6.4%) हैं; शीर्ष पांच देशों की कुल हिस्सेदारी 55% है।

सरकार की मशीनरी: NTEP के हथियार

राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के तहत सक्रिय केस-खोज में AI-सक्षम एक्स-रे, त्वरित आणविक निदान, तुरंत उपचार शुरू करना, विभेदित टीबी देखभाल शामिल हैं। निक्षय पोषण योजना से मरीजों को पोषण के लिए ₹1,000 मासिक की प्रत्यक्ष नकद सहायता मिलती है और निक्षय मित्र पहल से समुदाय मरीजों को गोद लेकर सहयोग करता है।

आगे की राह

2027 की शुरुआत में आने वाले संशोधित संक्रमण-अनुमान असली तस्वीर दिखाएंगे। लक्ष्य-प्राप्ति के लिए बिना-पहचाने मामलों का निदान, पोषण-सहायता, औषधि-प्रतिरोधी टीबी का प्रबंधन और फंडिंग की निरंतरता जरूरी हैं। भारत का अपना वार्षिक टीबी रिपोर्ट (जो पहले विश्व टीबी दिवस पर आता था) इस बार न आना भी पारदर्शिता का प्रश्न उठाता है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

“भारत का 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य अधूरा रह गया है, फिर भी मृत्यु दर में गिरावट उल्लेखनीय है।” उपलब्धियों और चुनौतियों का मूल्यांकन कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: WHO ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2026 और भारत का 2025 लक्ष्य बनाम SDG 2030।

मुख्य भाग में: उपलब्धियां - 2015 से 38% मृत्यु-कमी (वैश्विक 35%), 94% उपचार-सफलता, 96% घरेलू फंडिंग, AI-एक्स-रे व निक्षय पोषण योजना जैसे नवाचार; चुनौतियां - उन्मूलन लक्ष्य अधूरा, अनुमानित संक्रमण-आंकड़ा उपलब्ध नहीं, दर्ज और अनुमानित मामलों का अंतर (बिना-पहचान संक्रमण), औषधि-प्रतिरोध, वैश्विक बोझ का एक-चौथाई भारत में।

निष्कर्ष में: गति सही दिशा में है, मगर निदान-अंतराल भरने और पोषण-सामाजिक सुरक्षा को गहरा किए बिना 2030 का SDG लक्ष्य भी दबाव में रहेगा।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2026 के अनुसार 2015 की तुलना में भारत में टीबी से मृत्यु दर में 38% की कमी आई है

कथन-II: इस रिपोर्ट में भारत के अनुमानित टीबी संक्रमण का आंकड़ा शामिल नहीं है

उपर्युक्त कथनों के संदर्भ में सही विकल्प चुनिए:

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं

(b) कथन-I सही है, परंतु कथन-II गलत है

(c) कथन-I गलत है, परंतु कथन-II सही है

(d) कथन-I और कथन-II दोनों गलत हैं

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

दोनों कथन सही हैं - मृत्यु दर में 38% की कमी दर्ज है, और जिला-स्तरीय सर्वेक्षण के विश्लेषण तक भारत का अनुमानित संक्रमण-आंकड़ा रिपोर्ट से बाहर रखा गया है (संशोधित अनुमान 2027 की शुरुआत में अपेक्षित)।

प्रश्न 2. टीबी और भारत के लक्ष्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: टीबी Mycobacterium tuberculosis नामक जीवाणु से होने वाली बीमारी है

कथन 2: भारत का 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य SDG की 2030 समय-सीमा से पांच वर्ष पहले का था

कथन 3: ग्लोबल टीबी रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रकाशित की जाती है

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) तीनों

(d) कोई नहीं

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

कथन 1 और 2 सही हैं; कथन 3 गलत है - यह रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) हर साल प्रकाशित करता है।

स्रोत

- The Hindu (12 नवंबर 2026): www.thehindu.com
- Indian Express (13 नवंबर 2026): indianexpress.com
- WHO ग्लोबल टीबी रिपोर्ट पेज: www.who.int

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: WHO की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट 2026 के अनुसार भारत 2025 तक टीबी उन्मूलन का अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया, मगर 2015 की तुलना में टीबी से मौतों में 38% की कमी आई है - वैश्विक औसत 35% से बेहतर।

प्रश्न: भारत का टीबी उन्मूलन लक्ष्य क्या था?

भारत ने 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य रखा था - SDG 3.3 के तहत 2030 की वैश्विक समय-सीमा से पांच वर्ष पहले। रिपोर्ट के अनुसार यह लक्ष्य पूरा नहीं हुआ।

प्रश्न: 2025 में भारत में कितने टीबी मामले और मौतें दर्ज हुए?

राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 25.3 लाख मामलों का निदान हुआ और 2.63 लाख मौतें दर्ज हुईं; 2024 में 26.18 लाख मामले और 3 लाख से अधिक मौतें थीं।

प्रश्न: इस बार की रिपोर्ट में भारत का संक्रमण-आंकड़ा क्यों नहीं है?

2025 में 50 प्रतिनिधि जिलों में हुए टीबी सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण चल रहा है; संशोधित अनुमान 2027 की शुरुआत में जारी होने की उम्मीद है।

- PIB: current nutritional assistance, 24 March 2026

संबंधित लेख

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा 2023-24: सरकारी स्वास्थ्य व्यय तीन गुना, जेब से खर्च 64.2% से घटकर 42.7%